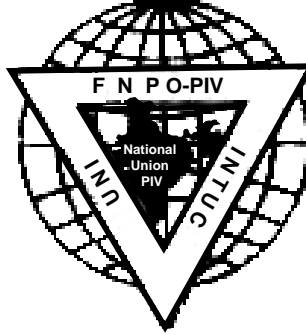


U.N.I.

F.N.P.O.

I.N.T.U.C

ना पहाड़ों से डरते, ना तूफानों से डगमगाते हैं,
जो डाक कर्मचारियों के दुख से व्यथित होते हैं,
उसे FNPO/NUPE Postmen & MTS, Group C कहते हैं।



स्वर्ण जयंती वर्ष
F. N. P. O.

नॅशनल यूनियन ऑफ पोस्टल सम्प्लाइज
पोस्टमैन सॅण्ड सम.टी.एस., ग्रुप 'सी'
इक्कीसवां

अखिल भारतीय अधिवेशन

दिनांक 7 अक्टूबर से 9 अक्टूबर, 2018

स्थल : वनियार महल (स/सी) नं. 62,

तिरुदल स्ट्रीट, तिरुवन्नमलाई-606601 (तमिलनाडु)

द्विवार्षिक अहवाल (2016-2018)

भाग-2

Part II

भावभीना पुण्य स्मरण एवं विनम्र श्रद्धांजलि

FNPO के संस्थापक अध्यक्ष



स्वर्गीय श्री के. रामामूर्ति (1912-1995)

Born in Chennai State in the year 1912, Late Shri K. Ramamurthy formed Federation of National Postal Organisations (FNPO) on 10-10-1968 at Nagpur and initiated National Unions movement in the P&T department. He served the Trade Union movement in various capacities till his death on 05-10-1995, his vision, his objectives and his ideologies on functioning of the National Unions are being carried out by thousands and lakhs of his followers.

**Remembering our Beloved Leader
On Golden Jubilee Year of FNPO
On the occasion of 21st All India Conference
of NUPE Postmen & MTS, Group C
at Thiruvanamalai, Tamil Nadu Circle)**



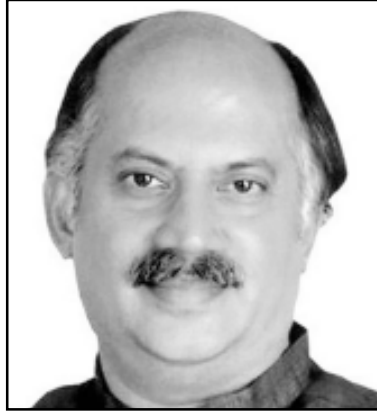
निवेदक



फेडरेशन ऑफ नैशनल पोस्टल ऑर्गनायजेशन (FNPO)

नैशनल यूनियन ऑफ पोस्टल एम्प्लॉईज, पोस्टमैन एंड एम.टी.एस., ग्रुप-सी
के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यगण

Heartfelt Condolence



*Shri Gurudas Kamat, Former Communication Minister,
Government of India and 5 times M.P. from Mumbai
expired on 22-8-2018 in New Delhi after suffering
a heart attack, He was only 63 years old.*

*We on behalf of National Union of Postal Employees,
Postmen & MTS, Group C convey our heartfelt condolences
to his bereaved family and people of Mumbai and
Maharashtra.*

May His Soul Rest In Peace.



From



**All Office Bearers and Members of
Federation of National Postal Organisations (FNPO)
National Union of Postal Employees,
Postmen & MTS, Group C**



प्रतिज्ञा



(F.N.P.O.) एफ.एन.पी.ओ./NUPE P-IV मैरा मातृवत संगठन है।

मुझे अपने संगठन से प्रेम है।

मैंरे संगठन के सभासद मैंरे बंधु हैं।

मुझे अपने संगठन की गौरवशाली परंपरा पर अभिमान है।

इस परंपरा का पालन करने की यौग्यता प्राप्त करने के लिए

मैं सदैव प्रयत्नशील रहूंगा।

मैं अपने संगठन में ऊंच-नीच के भेद-भाव और विचारों की

स्थान नहीं दूंगा और अहंकार व स्वार्थ की प्रवृत्ति का

शिकार नहीं बनूंगा।

मैं अपने संगठन के कर्मठ और बलिदानी नेताओं का

हमेशा स्मरण करूंगा ऐसी प्रतिज्ञा मैं करता हूँ।

तथा इसके कल्याण और समृद्धि में ही मैरा सर्वस्व समाया हुआ है।



सभासदों को सूचना

- यूनियन के नियमित सभासद बने रहें।
- अपनी समस्या यूनियन को पहुंचाने तथा उनके निपटारे के लिए लगातार प्रयास करते रहें।
- यूनियन की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए यूनियन के आदेशों का पालन करें।
- यूनियन के प्रत्येक कार्यक्रम में सहभागी बनना अपना कर्तव्य समझें।
- विभाग के नियमों की जानकारी लेते रहें और अपने को सचेत बनाए रखें।
- यूनियन के अधिकार क्षेत्र एवं क्षमता को ध्यान में रखना चाहिए।
- समस्या के समाधान में होनेवाले विलंब के लिए वस्तुस्थिति का जायजा लें।
- बाहरी परिस्थिति की जानकारी के लिए यूनियन परिपत्रक नियमित रूप से पढ़ें।
- कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के मनोबल एवं उत्साह को बढ़ाने का सदैव प्रयत्न करें।
- मैं एफ.एन.पी.ओ. जैसी बलशाली संगठन का सदस्य हूँ यह स्वाभिमानपूर्वक सभी को बतायें।
- यूनियन के कामकाज के विषय में आपकी सूचना एवं मतंव्य प्रार्थनीय है।